अंकन योजना

अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2025

कक्षा- 10 वीं विषय: हिंदी (A) विषय कोड- 002 प्रश्न पत्र कोड- 3/1/3

सामान्य निर्देश:

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2.	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4.	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच

	ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।
6.	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
7.	यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
8.	यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
9.	यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।
10.	एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।
11.	यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।
12.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
13.	नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें– • उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना • उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना • उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना • उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना • आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि • आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि

	• कुल अंकों के योग में अशुद्धि • प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना • उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना • उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो) • उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।
14.	उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15.	उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16.	सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।
17.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2025
प्रश्न पत्र कोड: 3/1/3

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	[खंड - क] (अपठित बोध)	14
1.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(C) आसमान में मेघों ने विभिन्न आकृतियाँ बनाईं	1
(ii)	(A) केवल I और II	1
(iii)	(C) कथन सही है और कारण गलत है ।	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • मेघों की तरह-तरह की आकृतियाँ • रंग-बिरंगा आसमान • सूरज का सुनहरा प्रकाश • डूबते हुए सूरज के साथ बढ़ता अँधेरा • क्षितिज पर बने रंगीन चित्र अब पेंसिल के रेखा-चित्र जैसे * कोई दो बिंदु अपेक्षित (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** • **उपयुक्त शीर्षक :** संध्या : मेघमय सौंदर्य/ मेघों ने कितने चित्र बनाए / संध्या का सौंदर्य / प्रकाश और छाया का सांध्य नृत्य • **शीर्षक के लिए तर्क :** मेघों में बने रंग-बिरंगे चित्रों से संध्या के सौंदर्य का निखरना	2

	* कोई उपयुक्त शीर्षक एवं तर्क लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल शीर्षक या केवल तर्क लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) I, II और III	1
(ii)	(A) वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे ।	1
(iii)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है ।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • **कविता और गद्य दोनों पर समान अधिकार :** न केवल महत्त्वपूर्ण कवि, बल्कि गद्य की विविध शैलियों में लेखन • **प्रभावशाली शैली :** कविताओं में नई भंगिमा • **विधाओं की विविधता :** निबंध, डायरी-संस्मरण और ऐतिहासिक तथा दार्शनिक विवेचनों का लेखन • **सरल और प्रांजल भाषा :** निबंधों की रचना में स्पष्टता, गद्य में सीधी-सरल, सहज, स्पष्ट भाषा का प्रयोग * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे - • अत्यंत हर्ष का अवसर • जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण • साहित्यिक योगदान की उच्चतम स्वीकृति का प्रतीक • प्रशंसा और सम्मान मिलने का प्रमाण • गौरव और संतोष का भाव	2

	• अपनी रचनाओं की स्वीकृति से अभिभूत * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	जो लोग सुबह जगते हैं - विशेषण आश्रित उपवाक्य	½+½= 1
(ख)	जो लोग समृद्ध बचपन जीते हैं, वे सदा प्रसन्न रहते हैं । अथवा जो समृद्ध बचपन जीने वाले लोग हैं, वे सदा प्रसन्न रहते हैं ।	1
(ग)	तुम विद्यालय जाओ और पढ़ाई करो ।	1
(घ)	हालदार साहब ने पान खाकर धीरे से पान वाले से पूछा ।	1
(ङ)	संयुक्त वाक्य	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	उसके द्वारा दौड़ लगाई गई।	1
(ख)	नेताजी द्वारा 'दिल्ली चलो' का प्रसिद्ध नारा दिया गया।	1
(ग)	नवाब साहब ने खीरों को तौलिए पर सुखाया।	1
(घ)	कर्तृवाच्य	1
(ङ)	कर्मवाच्य	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4

(क)	युगनिर्माता- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' विशेष्य	1
(ख)	स्वाधीनता- संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन	1
(ग)	धीरे-धीरे- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चलो' क्रिया की विशेषता	1
(घ)	बनाया- क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य	1
(ङ)	उन्होंने- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक	1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	उपमा अलंकार	1
(ख)	रूपक अलंकार	1
(ग)	मानवीकरण अलंकार	1
(घ)	अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ :** एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।	1
(ङ)	उत्प्रेक्षा अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ** : उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा, मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	30
7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(D) I, II और IV	1
(ii)	(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।	1
(iii)	(B) बालगोबिन भगत कबीर को ईश्वर-तुल्य मानते थे।	1
(iv)	(D) अपनी पूरी फ़सल को कबीर-दरबार में चढ़ाना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसे स्वयं के लिए लाना।	1
(v)	(A) I, II और III तीनों	1
8.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6

(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- **सकारात्मक :** ● शीला अग्रवाल द्वारा साहित्य, लेखन और देश की गतिविधियों से जोड़ना ● पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना **नकारात्मक** : ● माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय ● पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना ● पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक * दोनों पक्षों का उपयुक्त वर्णन करने पर (1+1=2 अंक) ---------- *किसी एक पक्ष का वर्णन करने पर अथवा * दोनों पक्षों का संक्षिप्त उल्लेख करने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ख)	प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● आज के वैज्ञानिकों को भौतिकी में न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के साथ-साथ उससे भी आगे के अनुसंधानों, नियमों आदि का ज्ञान; परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- ● सहमत ● समय के साथ शोध और खोज की दुनिया ने द्रुत प्रगति की है और न्यूटन के बाद पता चलने वाली ज्ञान-विज्ञान की हज़ारों बातों की जानकारी आज के वैज्ञानिक को होगी तो वह अधिक सभ्य कहलाएगा। * प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- *किसी एक हिस्से का उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखने पर	2

	अथवा *तर्कपूर्ण उत्तर नहीं लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ग)	प्रश्न के **तीनों** हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • कैप्टन नाम सुनकर; • नेताजी सुभाषचंद्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी; • अनुमान के विपरीत कद-काठी और शारीरिक अवस्था देखकर • कैप्टन कोई भूतपूर्व सैनिक नहीं बल्कि एक फेरीवाला • देशभक्त की दीन-हीन स्थिति देखकर *प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (½+ ½+1=2 अंक) ---------- *पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का पूरा उत्तर लिखने पर अथवा पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1+½ अंक) ---------- *पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का उत्तर न लिखने पर अथवा *पहले और दूसरे हिस्से का ग़लत उत्तर लिखने और केवल तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर और तीसरे हिस्से का उत्तर न लिखने पर अथवा * केवल तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (½ अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(घ)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-	2

	• बालाजी के मंदिर में नियमित शहनाई वादन • शहनाई बजाने में विश्वप्रसिद्धि के बावजूद अस्सी बरस की उम्र तक लगातार और नियमित रियाज़ (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * एक उपयुक्त उदाहरण द्वारा स्पष्ट करने पर (1+1=2 अंक) ---------- *केवल एक उपयुक्त उदाहरण लिखने पर अथवा * पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के बारे में थोड़ा-बहुत वर्णन करने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
9.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(B) मन रूपी भ्रमर	1
(ii)	(C) I और II सही हैं ।	1
(iii)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं , परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या **नहीं** करता है।	1
(iv)	(A) I, II और III तीनों	1
(v)	(A) इस संसार में सीधेपन का मज़ाक उड़ाया जाता है।	1
10.	निर्धारित कविताओं पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • राम ने क्रोधी परशुराम से विनम्र भाव से कहा कि धनुष तोड़ने वाला उनका कोई दास • परशुराम एवं लक्ष्मण अतिशय वाक् पटु जबकि राम शांत और सौम्य (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------	2

	*केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● मृतक में भी जान डालना यानी निराश व्यक्ति में आशा का संचार करना ● कठोर से कठोर व्यक्ति के हृदय में वात्सल्य भाव जगाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * उपयुक्त उत्तर नहीं लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- ● गायन में साथ देकर ● उत्साह को बनाए रखकर ● अकेलेपन का अहसास न होने देकर ● अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालकर ● स्वर को बिखरने से पहले ही सँभालकर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(घ)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● शोषित-पीड़ित वर्ग का उद्धार/ नव-निर्माण;	2

	• समाज में कमजोर वर्गों की दयनीय और शोषित अवस्था देखकर *प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- *किसी एक हिस्से का उत्तर उपयुक्त लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(क)	प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **आधार** : • वे अचानक किसी बात पर ठहाका लगाकर हँस पड़ीं; **जीवन स्थितियाँ :** • अथक परिश्रम, मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ) • प्रतिकूल परिस्थितियाँ- गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार, कठोर एवं विषम प्राकृतिक स्थितियाँ; **सीख** : प्रश्न के इस हिस्से के लिए परीक्षार्थी दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • परिश्रमी होना • जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी आनंद और उल्लास का होना • समाज से कम लेना और अधिक लौटाना *प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1+2=4 अंक) ---------- *पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का विस्तृत उत्तर लिखने पर अथवा पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ----------	4

	*पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का उत्तर न लिखने पर अथवा *पहले और दूसरे हिस्से का गलत उत्तर लिखने और केवल तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर और तीसरे हिस्से का उत्तर नहीं लिखने पर अथवा * केवल तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● प्रत्यक्ष अनुभव – जिसे हमने घटित होते हुए देखा हो ● अनुभूति – जो घटना हमारे अनुभव की न हो, पर आंतरिक स्तर पर उसे हमने भोक्ता की तरह महसूस किया हो। प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** ● अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभव आधारित लेखन करूँगा/करूँगी क्योंकि वह प्रामाणिक होता है। *प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+1+1=4 अंक) ---------- *पहले हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे तथा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा *पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे अथवा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ---------- *केवल पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर देने पर अथवा *पहले हिस्से का उत्तर न लिखने तथा दूसरे और तीसरे हिस्से का उत्तर लिखने पर अथवा *पहले हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे अथवा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ----------	4

	* पहले हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर अथवा दूसरे या तीसरे हिस्से का उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ग)	प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **व्यवहार**: ● अनजाने में निर्दयी व्यवहार ● खेल का सामान समझना **उदाहरण:** ● खेत में चिड़ियों-तितलियों के पीछे भागना और उन्हें पकड़ने की कोशिश करना ● चूहों के बिल में पानी डालना; प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- ● करुणा और सहानुभूति से भरा व्यवहार रखना ● पशु-पक्षियों को न सताना *प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+2= 4 अंक) ---------- *एक हिस्से का विस्तृत उत्तर और दूसरे का अत्यंत संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ---------- *एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे का उत्तर न लिखने पर (2 अंक) ---------- * किसी एक हिस्से का अत्यंत संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
	[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	20
12.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन :** ● भूमिका = 1 अंक	6

	• विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	
13. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन अपेक्षित : **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। **औपचारिक ई-मेल :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	5

	• भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	
14. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
15. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में संदेश अथवा विज्ञापन लेखन अपेक्षित : **संदेश-लेखन:** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश:-** • संदेश लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **विज्ञापन-लेखन:** • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक	4

	विशेष निर्देश :- ● विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। ● भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। ● सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	